

Monday, 20 January 2025

Mission Navshakti 2.0: Empowering SC Women through Ornamental Fish Culture and Aquarium Fabrication – Bridging Barabanki, Sitapur, and Unnao with ICAR-NBFGR

KVK Unnao: ICAR-National Bureau of Fish Genetic Resources (ICAR-NBFGR), through its Scheduled Caste Sub Plan (SCSP) project, is pioneering rural transformation with *Mission Navshakti 2.0*. This initiative exemplifies how small interventions, strategic training, and robust support systems can empower rural women to achieve self-reliance and financial independence. By focusing on ornamental fish culture and aquarium fabrication, the program is successfully creating sustainable micro-entrepreneurial opportunities for Scheduled Caste (SC) women across clusters in Barabanki, Sitapur, and Unnao.

The project brought together 51 women from 13 self-help groups (SHGs) spanning eight villages in Auras and Hasanganj blocks of Unnao district. These SHGs include *Nari Shakti, Jai Ambe, Jai Ma Lakshmi, Jyoti Swamy, Kamal, Mahila Saraswati, Jai Balaji, Jai Hanuman, Jai Santoshi Ma, Sughardas Baba, Orash, Radhaswamy, and Pooja*. The participating villages ;Dohra, Chiraiya, Mithepur, Bambanakhara, Unchdwar, Signapur, Navai, Barakheda, and Mirkhara are ready to become hubs of entrepreneurial enthusiasm.

The initiative's foundation lies in imparting technical skills in ornamental fish farming, focusing on livebearer species like molly and guppy, alongside the intricate art of aquarium fabrication. The journey began in February 2024 with a pilot project in Dhankutti village, Barabanki. A simple yet innovative approach transformed courtyards into centers of economic activity, with women cultivating and selling ornamental fish through local market linkages. Encouraged by this success, the model was replicated at KVK Katia, Sitapur, and later expanded to KVK Unnao.

At KVK Unnao, the program began with an interactive session on January 10, 2025, to identify challenges and aspirations among women participants. A subsequent training program on 16th and 17th January 2025 equipped women with the skills to fabricate aquariums and rear ornamental fish. SHG women from Dhankutti namely Suman, Usha, Sandhya, and Madhuri shared inspiring stories of how these interventions enabled them to rear fish in their backyards, demonstrating that resilience, combined with expert guidance, can spark remarkable changes. Their stories ignited enthusiasm among other participants, illustrating how accessible, small-scale interventions can catalyze significant economic and social empowerment. The success of Mission Navshakti underscores how rural women, with the right training and resources, can bridge urban market demands with local supply chains while creating self-sustaining ecosystems.

The initiative thrives on partnerships. Supported by ICAR-NBFGR's SCSP project, with expertise from Aquaworld and Hi-Tech Fish Farming, the hub-and-spoke cluster model focuses on localizing production to reduce dependence on external markets. Women participants were provided startup kits, including solar lights with USB chargers and aquarium fabrication accessories.

Dr. U.K. Sarkar, Director of ICAR-NBFGR, spearheaded the program, emphasizing the transformative potential of grassroots interventions. Dr. Poonam Jayant Singh, SCSP Nodal Officer, conceptualized the initiative, ensuring scalability through a hub and cluster based approach. Dr. Lalit Kumar Tyagi motivated participants to adopt a learn by doing mindset. Shri Indramani Raja and Dr. Suresh Sharma offered practical training in aquarium fabrication and market strategies. The program's execution was skillfully managed by Dr. A.K. Singh, Head KVK, Unnao, Dr. Archana Singh, Dr. Ratna Sahay, Dr. Sunil Kumar, Er. Ramesh Chandra Maurya, Shri Ravi Kumar, and Dr. Arpita Batta. *Mission Navshakti 2.0* has trained 325 women in ornamental fish culture and aquarium fabrication, demonstrating how small-scale interventions can lead to community-driven change. The initiative's impact transcends

economic benefits. By integrating traditional knowledge with modern techniques, it fosters resilience, strengthens community bonds, and inspires rural women to take leadership roles. These empowered women are not only achieving financial independence but are also becoming role models in their communities.

Mission Navshakti 2.0 exemplifies how targeted interventions, grounded in systemic design thinking, can create scalable and sustainable solutions. The project's success underscores the importance of empowering rural women as agents of change, capable of driving economic and social transformation. With continued support, this grassroots movement is poised to rewrite narratives and build a more inclusive future for women in India's rural heartland.

सोमवार, 20 जनवरी 2025

मिशन नवशक्ति 2.0: बाराबंकी, सीतापुर और उन्नाव को आईसीएआर-एनबीएफजीआर के साथ जोड़ते हुए एससी महिलाओं को शौकिया मछली पालन और एक्वेरियम निर्माण के माध्यम से सशक्त बनाना

केवीके उन्नाव: आईसीएआर-नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्सज (आईसीएआर-एनबीएफजीआर) अपने अनुसूचित जाति उप योजना (एससीएसपी) परियोजना के माध्यम से *मिशन नवशक्ति 2.0* के साथ ग्रामीण परिवर्तन का नेतृत्व कर रहा है। यह पहल दिखाती है कि छोटे हस्तक्षेप, रणनीतिक प्रशिक्षण, और मजबूत समर्थन प्रणाली ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करने में कैसे सशक्त बना सकते हैं। शौकिया मछली पालन और एक्वेरियम निर्माण पर ध्यान केंद्रित करके, यह कार्यक्रम बाराबंकी, सीतापुर और उन्नाव के समूहों में अनुसूचित जाति (एससी) की महिलाओं के लिए टिकाऊ सूक्ष्म-उद्यमशीलता के अवसर बना रहा है।

यह परियोजना उन्नाव जिले के औरास और हसनगंज ब्लॉक के आठ गांवों में फैले 13 स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की 51 महिलाओं को एक साथ लाती है। इन एसएचजी में नारी शक्ति, जय अंबे, जय मा लक्ष्मी, ज्योति स्वामी, कमल, महिला सरस्वती, जय बालाजी, जय हनुमान, जय संतोषी मा, सुगढ़दास बाबा, ओराश, राधास्वामी, और पूजा शामिल हैं। भाग लेने वाले गांवों – दोहरा, चिरैया, मिठेपुर, बम्बनाखेरा, उंचद्वार, सिगनापुर, नवई, बाराखेड़ा और मीरखेड़ा – में उद्यमशील उत्साह के केंद्र बनने की क्षमता है।

इस पहल की नींव शौकिया मछली पालन में तकनीकी कौशल प्रदान करने में निहित है, जिसमें *माँली* और *गप्पी* जैसी जीवंत प्रजातियों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, साथ ही एक्वेरियम निर्माण की जटिल कला भी सिखाई गई है। फरवरी 2024 में बाराबंकी के धनकुट्टी गांव में एक पायलट परियोजना के रूप में यह यात्रा शुरू हुई। एक साधारण लेकिन नवोन्मेषी दृष्टिकोण ने आंगनों को आर्थिक गतिविधि के केंद्रों में बदल दिया, जहां महिलाओं ने स्थानीय बाजार नेटवर्क के माध्यम से शौकिया मछलियों का पालन और बिक्री की। इस सफलता से प्रेरित होकर, इस मॉडल को केवीके कटिया, सीतापुर में दोहराया गया और बाद में केवीके उन्नाव तक विस्तारित किया गया।

केवीके उन्नाव में, कार्यक्रम 10 जनवरी 2025 को महिलाओं की चुनौतियों और आकांक्षाओं की पहचान के लिए एक इंटरैक्टिव सत्र के साथ शुरू हुआ। इसके बाद 16 और 17 जनवरी 2025 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिलाओं को एक्वेरियम निर्माण और शौकिया मछलियों के पालन के कौशल से सुसज्जित किया गया। धनकुट्टी की एसएचजी महिलाएं – सुमन, उषा, संध्या, और मधुरी – ने प्रेरणादायक कहानियां साझा कीं कि इन हस्तक्षेपों ने उन्हें अपने घरों में मछलियां पालने में कैसे सक्षम बनाया। उनकी कहानियों ने अन्य प्रतिभागियों के बीच उत्साह जगाया, यह दर्शाते हुए कि कैसे छोटे पैमाने के हस्तक्षेप उल्लेखनीय आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण को उत्प्रेरित कर सकते हैं। मिशन

नवशक्ति की सफलता यह दिखाती है कि कैसे ग्रामीण महिलाएं सही प्रशिक्षण और संसाधनों के साथ शहरी बाजार की मांगों और स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं के बीच एक पुल बना सकती हैं, जबकि आत्मनिर्भर पारिस्थितिक तंत्र बना सकती हैं।

यह पहल साझेदारियों पर निर्भर करती है। आईसीएआर-एनबीएफजीआर के एससीएसपी परियोजना द्वारा समर्थित, और एक्वावर्ल्ड और हाई-टेक फिश फार्मिंग की विशेषज्ञता के साथ, हब-एंड-स्पोक क्लस्टर मॉडल स्थानीयकरण पर ध्यान केंद्रित करता है ताकि बाहरी बाजारों पर निर्भरता कम हो सके। महिलाओं को सोलर लाइट्स (यूएसबी चार्जर के साथ) और एक्वेरियम निर्माण उपकरणों सहित स्टार्टअप किट प्रदान किए गए।

आईसीएआर-एनबीएफजीआर के निदेशक डॉ. यू.के. सरकार ने कार्यक्रम का नेतृत्व किया, यह बताते हुए कि जमीनी हस्तक्षेप किस प्रकार परिवर्तनकारी क्षमता रखते हैं। एससीएसपी नोडल अधिकारी डॉ. पूनम जयंत सिंह ने इस पहल को अवधारित किया, यह सुनिश्चित करते हुए कि यह हब और क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से स्केलेबल हो। डॉ. ललित कुमार त्यागी ने प्रतिभागियों को *सीखते हुए कार्य करें* मानसिकता अपनाने के लिए प्रेरित किया। श्री इंद्रमणि राजा और डॉ. सुरेश शर्मा ने एक्वेरियम निर्माण और बाजार रणनीतियों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। इस कार्यक्रम को डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. रत्ना सहाय, डॉ. सुनील कुमार, ई. रमेश चंद्र मौर्य, श्री रवि कुमार, और डॉ. अर्पिता बता द्वारा कुशलतापूर्वक संचालित किया गया।

मिशन नवशक्ति 2.0 ने शौकिया मछली पालन और एक्वेरियम निर्माण में 325 महिलाओं को प्रशिक्षित किया है, यह दिखाते हुए कि कैसे छोटे पैमाने पर हस्तक्षेप सामुदायिक संचालित परिवर्तन ला सकते हैं। इस पहल का प्रभाव आर्थिक लाभ से परे है। पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक तकनीकों के साथ एकीकृत करके, यह महिलाओं को नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता है और सामुदायिक बंधनों को मजबूत करता है। ये सशक्त महिलाएं न केवल आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त कर रही हैं, बल्कि अपने समुदायों में रोल मॉडल भी बन रही हैं।

मिशन नवशक्ति 2.0 यह दिखाता है कि लक्षित हस्तक्षेप, जो प्रणालीगत डिज़ाइन सोच में निहित हैं, कैसे स्केलेबल और टिकाऊ समाधान बना सकते हैं। इस परियोजना की सफलता यह रेखांकित करती है कि ग्रामीण महिलाओं को परिवर्तन के एजेंट के रूप में सशक्त बनाना कितना महत्वपूर्ण है, जो आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन को आगे बढ़ा सकती हैं। निरंतर समर्थन के साथ, यह जमीनी आंदोलन भारत के ग्रामीण हृदयस्थल में महिलाओं के लिए अधिक समावेशी भविष्य बनाने और नई कहानियां लिखने के लिए तैयार है।





